Dharmendra Kumar Upadhyay

Incharge principal

UPG. plus two High School Garu (Latehar)

phone:- 94315 555 87

e-mail upadhyaydharmendrakumar98@gmail.com

"एक शिक्षक का सामर्थ्य, उसमें निहित ज्ञान तक ही सीमित नहीं है अपितु एक कुशल व्यक्तित्व के निर्माण में, सभ्य समाज के सृजन में अहम भूमिका है। शिक्षक में सेवा के प्रति समर्पण का भाव होना अति आवश्यक है।"

मेरी नियुक्ति 2012 ईस्वी में झारखंड राज्य का एक छोटा सा जिला लातेहार के छोटे से प्रखंड गारू के उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय गारू में स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक के रूप में हुई। अति दुर्गम नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के साथ-साथ जनजाति बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र में ना तो उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान थे और ना ही लोगों में शिक्षा के प्रति रुचि थी। परिणामतः कुछेक जागरूक परिवार के बच्चे ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाते थे और अधिकांश बीच में ही पढ़ाई छोड़कर जीविकोपार्जन में लग जाते थे, परंतु आज आलम यह है कि यह विद्यालय अपने

प्रखंड में ही नहीं वरन् लातेहार जिले में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफलता प्राप्त की है। शिक्षकों के संघर्ष और समय के साथ संसाधनों में वृद्धि के फलस्वरुप कई चुनौतियों का सामना करते हुए आज यह विद्यालय अपने जिला अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालयों में से एक राज्य सरकार द्वारा आदर्श विद्यालय के रूप प्रतिष्ठित है।

एक शिक्षक के रूप में अपने पदस्थापना के साथ ही इस क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और चुनौतियों से अवगत होने के पश्चात बच्चों के उपस्थिति और विद्यालय में ठहराव के लिए विशेष कार्य योजना पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए सर्वप्रथम इस क्षेत्र विशेष के लोगों को शिक्षा की ओर उन्मुख करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। विद्यालय वातावरण को तैयार करने में स्थानीय लोगों की मदद के साथ ही स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शिक्षा के इस परिसर को स्वास्थ्य एवं सुरक्षित बनाने का मेरा प्रयास अत्यंत ही सराहनीय रहा। अराजक तत्वों और गैर जिम्मेदार लोगों से इस परिसर को मुक्त करने के लिए जनसंपर्क अभियान तथा अन्य विभागों से संपर्क स्थापित किए गए, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा का माहौल तैयार हुआ। अपने सभी सहयोगी शिक्षकों के साथ मिलकर शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी विद्यालय की भागीदारी सुनिश्चित की गई। जिला स्तर पर बच्चों के योग्यता और क्षमताओं को अवगत कराते हुए विद्यालय स्तर पर कई सुविधाएं भी विकसित किए गए, जिसका परिणाम यह है कि आज यह विद्यालय शिक्षा के हर क्षेत्र में जैसे विज्ञान, कला, खेल संस्कृति आदि सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुंच बनाने में सफल हुआ है।

एक प्रधान शिक्षक के रूप में विद्यालय का कार्यभार संभालते हुए मेरे द्वारा विद्यालय विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। 2016 ईस्वी में प्रधान शिक्षक के रूप में विद्यालय की चुनौतियों को अपने निजी दायित्व से ऊपर रखकर विद्यालय में बच्चों की पहुंच, नामांकन तथा सत प्रतिशत उपस्थिति के लिए अथक प्रयास किया। विद्यालय के आधारभूत संरचना में जैसे अतिरिक्त वर्गकक्ष का निर्माण, आवश्यकता अनुसार संसाधनों में वृद्धि, व्यवस्थित पुस्तकालय, व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत कंप्यूटर, हेल्थ केयर विषयों की शिक्षा हेतु आवश्यक सुविधाओं को गंभीरता पूर्वक व्यवस्थित एवं बच्चों तक को लाभान्वित करने का सत प्रतिशत प्रयास किया गया। शिक्षा के विविध नवाचारों का प्रयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु सभी शिक्षकों को प्रोत्साहित किया गया, जिसके परिणामस्वरुप प्रत्येक वर्ष विद्यालय के परीक्षाफल में उत्तरोत्तर वृद्धि होती रही। इस वर्ष के माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट कला एवं विज्ञान की वार्षिक परीक्षा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जिला स्तर पर उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव मान बढ़ाया है। विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली सभी

गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बच्चों के अंदर प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का सफल प्रयास किया गया। जन जागरूकता से जुड़े मुद्दों को जन क्रांति का रूप देकर समुदाय के लोगों को शिक्षित एवं जागरूक करने का भी सार्थक प्रयास किया गया।

विद्यालय के शैक्षणिक माहौल को बनाने के साथ-साथ बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से बच्चों की रूचियों एवं क्षमताओं का आकलन करते हुए उन्हें उनके ही क्षेत्रों में परिपक्व करने का प्रयास किया गया। सभी बच्चों को चार हाउस में विभक्त करते हुए आपसी प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित की गई। प्रार्थना सभा से लेकर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों जैसे वाद-विवाद, भाषण, निबंध, ड्राइंग-पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी तथा समय-समय पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों की भागीदारी और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए उन्हें ऑरेंज कैप प्रदान करते हुए एक माह विद्यालय की गतिविधियों को संचालित करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य जैसे दायित्वों का निर्वहन करने की जिम्मेवारी देकर एक जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्यों का ही प्रतिफल है कि विद्यालय में प्रतियोगिता की भावनाओं के साथ साथ अनुशासन विकसित करने में सफलता प्राप्त हुई। प्रत्येक मंगलवार को विद्यालय स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के आयोजन के साथ-साथ शुक्रवार के दिन सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन एवं शनिवार के दिन खेलकूद गतिविधियों का आयोजन करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास का ध्यान रखा जाता है।

निसंदेह हम कह सकते हैं कि एक कुशल नेतृत्व एवं सकारात्मक सोच के साथ सार्थक प्रयास के बदौलत यह विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र आर्यन कुमार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मुकाम हासिल कर यह सिद्ध किया गया कि यदि दृढ़ निश्चय के साथ कोई भी कार्य किया जाए तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है और इसके लिए किसी भी परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाया जा सकता है। वहीं झारखंड की लोक कला संस्कृति को स्थापित करने में भी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हुए भोपाल में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बाल रंग महोत्सव में भाग लेकर चौथा स्थान प्राप्त किया और राज्य का नाम रोशन किया।

उक्त परिस्थितियों का ही परिणाम है कि आज विद्यालय में बच्चों के नामांकन एवं ठहराव में तीव्र वृद्धि हुई है। आज विद्यालय में 1400 से अधिक छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

इन सब के बावजूद आज भी विद्यालय के समक्ष कई चुनौतियां हैं, जिसे दूर करना नितांत आवश्यक है। एक आदर्श विद्यालय के रूप में विद्यालय की पहचान व प्रतिष्ठा को निरंतर बनाए रखना ही मेरी प्रमुख प्राथमिकता है, जिसमें मुझे मेरे सभी सहयोगियों तथा हर समुदाय की भागीदारी का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है और मुझे खुशी है कि मैं अपने एक शिक्षक होने के पूर्ण दायित्व का निर्वहन कर पाता हूँ।

धन्यवाद।।